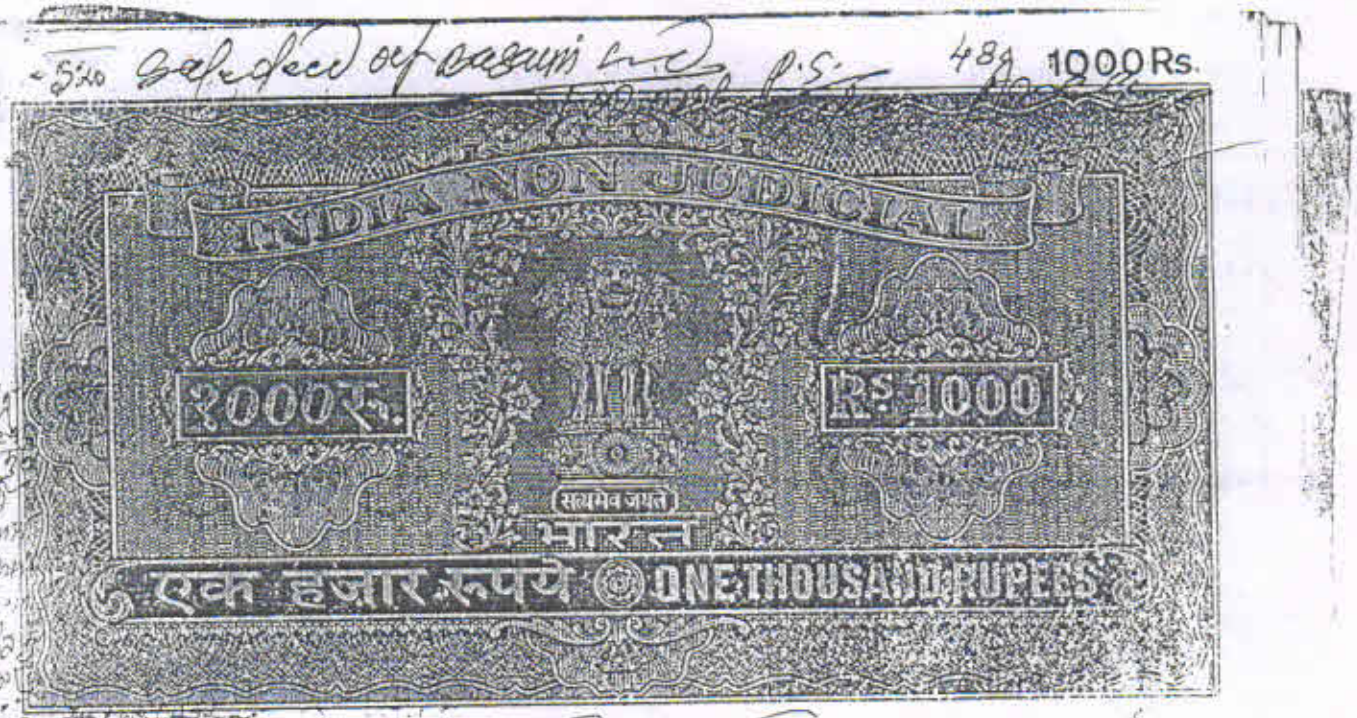

1000Rs.

Fee paid

A.O. 1000=00
Reg 45=00
1045=00

SALE DEED

नाम लेख्यकारीगण पिता का नाम वो निवास स्थान आदि । (बिक्रेता)	श्री विद्या मोहन गोराई पिता स्व० [illegible] गोराई जाति तेली पेशा खेती साकिन रसिकपुर तालुका थाट रसिकपुर, थाना दुमका टाउन सबडी० वो जिला दुमका भारतीय नागरिक (झारखण्ड)
नाम लेख्यधारीगण पति का नाम वो निवास स्थान आदि । (क्रेता)	(1) डा० अजय कुमार सिंह, पिता स्व० [illegible] वो (2) श्रीमती विभा सिंह पति श्री [illegible] जाति कुर्मी पेशा क्रमशः नौकरी वो गृहिणी हाल साकिन दुमका टाउन थाना- दुमका टाउन, सबडी० दुमका, जिला-दुमका, स्थायी निवास ग्राम + पो० [illegible] थाना- संग्रामपुर, जिला- मुंगेर, बिहार।

1000Rs.

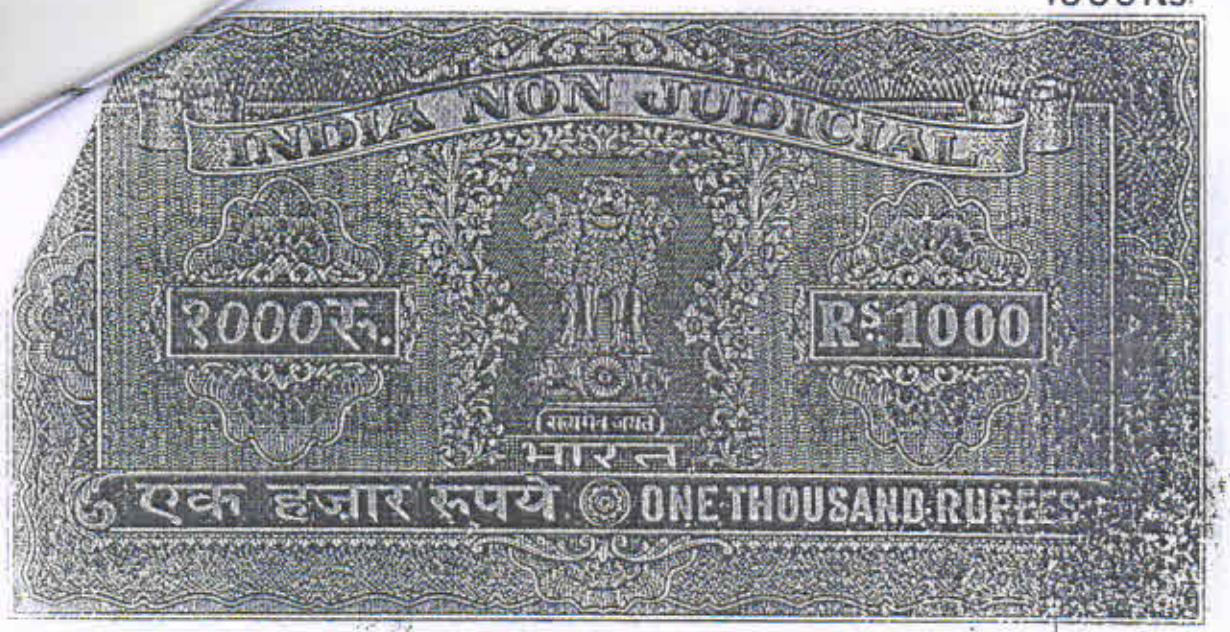

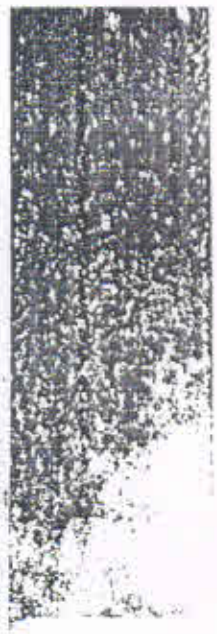

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

(2)

लेख्यप्रकार : - विक्रय पत्र केवाला दलील (Sale Deed)

बिक्रीत सम्पत्ति का मूल्य :- मो० 1,00,000/- (एक लाख) रुपये मात्र।

बिक्रीत सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण। तफसील हक बसौड़ी परती सहन जमीन [illegible] हक वो अधिकार इत्यादि वाके मौजा रसिकपुर नम्बर 2 तालुकघाट रसिकपुर थाना दुमका टाउन सबडिविजन वो जिला दुमका, बसौड़ी लखराज का जमा बन्दी नम्बर 121तौजी नम्बर 618 जो दुमका [illegible] क्षेत्र के बाहर है तथा दुमका नगर विकास [illegible] क्षेत्र के अन्दर है जिसका फरद ट्रेस नक्शा दस्तावेज में संलग्न है जिसमें विक्रीत सम्पत्ति को लाल [illegible] दिखाया गया है जिसकी दाग नम्बर [illegible]

750 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

७५० रु. Rs 750

सत्यमेव जयते

भारत

सात सौ पचास रुपये SEVEN HUNDRED & FIFTY RUPEES

(3)

दाग नम्बर	चौहद्दी	किस्म डी.ह.
1305 का (अंश)	उत्तर - इसी दाग का अंश जिसे आज डा० अजय कुमार सिंह वो विभा सिंह क्रय करती है।	इसी चौहद्दी के अन्दर बसौड़ी स्वत्व की जमीन सहित जमीन मय कुल हक वो अधिकार इत्यादि
	दक्षिण - उज्जवल गोराई	रकबा सरकारी
	पूरब - 8 फीट रास्ता।	0 2 12
	पश्चिम - आम रास्ता।	

दो कट्ठा बारह धुर मात्र। सलाना खजाना मो० रसीदी।

750 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

७५० रु. Rs. 750

सत्यमेव जयते

भारत

सात सौ पचास रुपये SEVEN HUNDRED & FIFTY RUPEES

यह जमीन लेख्यकारी की पैतृक सम्पत्ति है, जिसे लेख्यकारी [illegible] अपने अंशदारों से अपना अंश में पाया है और सम्पत्ति को बिना किसी विघ्न बाधा के भोग दखल करते आ रहे हैं यह सम्पत्ति [illegible] है और लेख्यकारी को यह सम्पत्ति बिक्री करने का पूर्ण हक वो अधिकार प्राप्त है वर्तमान लेख्यकारी चन्द (सांसारिक) कार्यों के लिये एवं मकान आदि मरम्मत के लिये रूपैया का सख्त दरकार है और बिना बिक्री [illegible] उपरोक्त [illegible] जमीन का रूपैया मिलना कठिन है इसलिये लेख्यकारी [illegible] उपरोक्त सम्पत्ति को बिक्रय करने का शोहरत किया जिसे आप क्रेतागण ने उपरोक्त सम्पत्ति को देखा तथा उपरोक्त सम्पत्ति को मो0 1,00,000/- एक लाख रूपैया में क्रय करने की इच्छा बिक्रीदार पर प्रगट किया यह कीमत आज कल के बजार दर का सर्वोच्च मूल्य समझा गया और दुमका उपायुक्त महोदय के द्वारा निर्धारित मूल्यांकन के अधार से भी [illegible] किमत सही है। इस लिये आज लेख्यकारी मन वो शरीर से [illegible] स्वच्छन्द मस्तिष्क की दशा मे होकर वो रहकर अपने पूर्ण [illegible] क्रेतागण महोदय से तय मूल्य मो0 1,00,000/- एक लाख [illegible] एक गुस्त लेकर वो प्राप्त कर खाना नम्बर 5 की [illegible] क्रेतागण के हाथ बेचा वो बेला कलामी किया और उपरोक्त सम्पत्ति [illegible]

500Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५००रु. Rs500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

क्रेतागण को ठीक अपना तुल्य अधिकार करा दिया यानी सब दिन के लिये बिक्री कर दिया।

उपरोक्त सम्पत्ति हर तरह के ऋण भार से मुक्त है फिर भी निकट भविष्य में उपरोक्त सम्पत्ति पर किसी तरह का प्राचीन या हाल ऋण भार पाया जाय जिससे क्रेतागण को उपरोक्त सम्पत्ति से या इसके किसी अंश से बेदखल होना पड़े, ऐसी हालत में मैं बिक्रेता मय वारिसान, करने आपर कुल जरसमेण केवाला, मय खरचा, हरजाना वो सुद [illegible] के हैं, होंगे वो रहेंगे। आज तक उपरोक्त सम्पत्ति पर मेरा जो कुछ [illegible] स्वामित्व था अथवा जो कुछ भविष्य में प्राप्त होता वो कुल आज की तारीख से आप क्रेतागण को प्राप्त हो गया।

अब आप क्रेतागण उपरोक्त सम्पत्ति को लेकर सरकारी सिरिस्ते में प्रचलित नाम कटवाकर खूद का नाम दर्ज करा लेवें वो साल व साल सिरीस्ते में खजाना अपने नाम से देकर वसूली का रसीद प्राप्त किया करें वो वारिसानुक्रमेण उपरोक्त सम्पत्ति का भोग दखल, दान बिक्रय वो हस्तांतर अपनी इच्छानुसार जो चाहें करें, इसमें मैं बिक्रेता मय वारिसान को किसी तरह की उजुर आपत्ति नहीं होगी। अगर कोई आपत्ति करे या करें तो [illegible] कुल आपत्ति न्यायालय में अमान्य वो दाखिल होगी।

यह सब एकरार कर देकर यह बिक्रय पत्र बहक डा0 अजय कुमार सिंह वो श्रीमती विभा सिंह को तहरीर वो शामिल कर दिया जो समय पर काम आवें। इति आज तारीख :- 26.04.2005 ई०।

यह सम्पत्ति आवासीय है तथा मुख्य सड़क से 100 फीट की दूरी से बाहर है।

इस दस्तावेज की प्रथम प्रति एवं द्वितीय प्रति एक-दूसरे की हु-ब-हू सच्ची प्रतिलिपि है।

कम्प्युटर द्वारा टंकित किया
अनिल कुमार देवांशु
(अनिल कुमार देवांशु)

कातिब- [illegible]
दलील का मजमूआ तैयार किया [illegible]
बाद दलील [illegible]
[illegible] अपना हस्ताक्षर [illegible]
किया [illegible]
26/04/05

LAND OF PURCHASED BY DR. AJOY KUMAR SINGH S/o LATE OM PRAKESH & SMT BIBHA SINGH W/o SRI DR. AJAY KUMAR SINGH OF TETIA BAMBAI P.S. SANGRAMPUR DIST MUNGER, BIHAR. VENDER BY SRI BIDYA MOH GORAIN S/o LATE RADHA NATH GORAIN AT RASIKPUR P.S DUMKA TOWN DIST DUMKA. PURCHASED LAND MOUZA RASIKPUR No 2 P.S DUMKA TOWN DIST DUMKA BASURI J.B. No 121 PART PLOT No 1305 AREA B-K-DH 0-2-12

PURCHASED LAND IN SOWEN IN RED COLOR

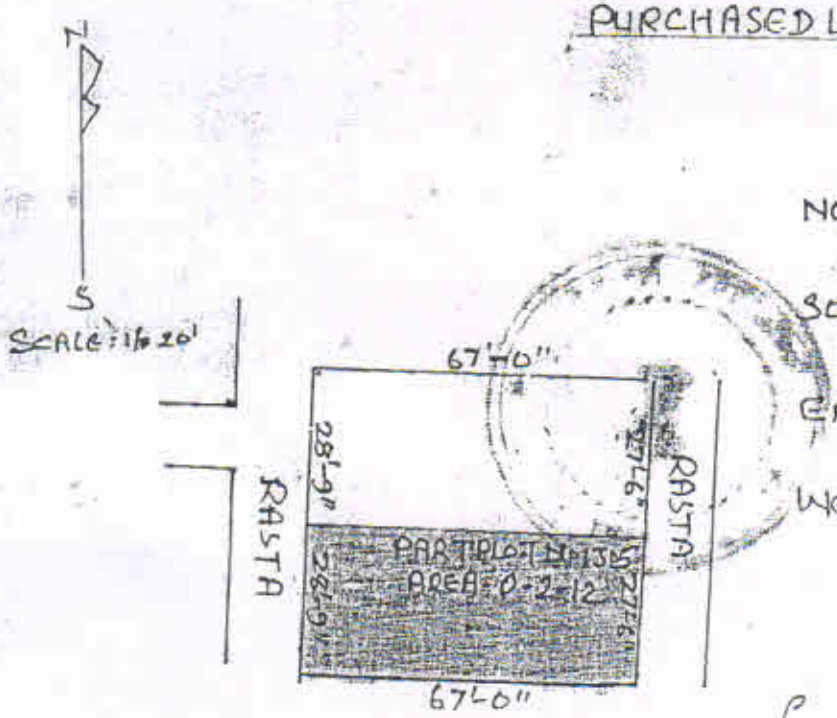

BOUNDARY

NORTH :- PART PLOT 1305 AJAY KUMAR Singh and ets

SOUTH :- LAND of UJJWAL GOURAIN

EAST :- RASTA

WEST :- RASTA

Bidya Mohan Gorain
26.4.05

The exact copy of original plan is true and up-to-date

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

1000 रु.

Rs 1000

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

SALE DEED

नाम लेख्यकारीगण पिता का नाम वो निवास स्थान आदि। (बिक्रेता)	श्री विद्या मोहन गोराई पिता स्व0 राधा नाथ गोराई जाति तेली पेशा खेती साकिन रसिकपुर तालुक घाट रसिकपुर, थाना दुमका टाउन सवडी0 वो जिला दुमका भारतीय नागरिक (झारखण्ड)
नाम लेख्यधारीगण पति का नाम वो निवास स्थान आदि। (क्रेता)	(1) डा० अजय कुमार सिंह, पिता स्व० ओम प्रकाश वो (2) श्रीमती विभा सिंह पति श्री अजय कुमार सिंह जाति कुर्मी पेशा क्रमशः नौकरी वो गृहिणी हाल साकिन दुमका टाउन थाना- दुमका टाउन, सबडी0 दुमका, जिला-दुमका, स्थायी निवास ग्राम + पो0- टेढ़िया- बम्बर थाना- संग्रामपुर, जिला- मुंगेर, बिहार।

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

1000 रु.

Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

(2)

लेख्यप्रकार : - विक्रय पत्र केवाला दलील (Sale Deed)

विक्रीत सम्पत्ति का मूल्य :- मो० 1,00,000/- (एक लाख) रुपये मात्र।

विक्रीत सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण। तफसील हक बसौड़ी परती सहन जमीन मय कुल हक वो अधिकार इत्यादि वाके मौजा रसिकपुर नम्बर 2 तालुकघाट रसिकपुर थाना दुमका टाउन सवडिबिजन वो जिला दुमका, बसौड़ी लखराज का जमाबन्दी नम्बर 121तौजी नम्बर 618 जो दुमका नगरपलिका क्षेत्र के बाहर है तथा दुमका नगर विकास प्राधिकार क्षेत्र के अन्दर है जिसका दो फरद ट्रेस नक्शा दस्तावेज में संलग्न है जिसमें विक्रीत सम्पत्ति को लाल रंग से दिखाया गया है जिसका दाग नम्बर वो चौहद्दी

750Rs.

सात सौ पचास रुपये SEVEN HUNDRED & FIFTY RUPEES

दाग नम्बर	चौहद्दी	किस्म बी.क.बु.
1305 का (अंश)	उत्तर - कलावती देवी पति मुकेश्वर मोदी । दक्षिण - इसी दाग का अंश जिसे आज डा० अजय कुमार सिंह वो विभा सिंह क्रय करती है । पूरब - 8 फीट रास्ता । पश्चिम - आम रास्ता ।	इसी चौहद्दी के अन्दर बसौड़ी स्वत्व की परती सहन जमीन मय कुल हक वो अधिकार इत्यादि रकबा मवाजी 0 - 2 - 12

दो कट्ठा बारह धुर मात्र । सलाना खजाना मो० रसीदी ।

750 Rs.

सात सौ पचास रुपये SEVEN HUNDRED & FIFTY RUPEES

यह जमीन लेख्यकारी की पैतृक सम्पत्ति है, जिसे लेख्यकारी ने अपने अंशदारों से अपना अंश में पाया है और सम्पत्ति को बिना किसी बिघ्न बाधा के भोग दखल करते आ रहे हैं यह सम्पत्ति बसौड़ी है और लेख्यकारी को यह सम्पत्ति बिक्री करने का पूर्ण हक वो अधिकार प्राप्त है वर्तमान लेख्यकारी चन्द (सांसारिक) कार्यो के लिये एवं मकान आदि मरम्मत के लिये रूपैया का सख्त दरकार है और बिना बिक्री किये उपरोक्त नीजी जमीन का रूपैया मिलना कठिन है इसलिये लेख्यकारी ने उपरोक्त सम्पत्ति को बिक्रय करने का सोहरत किया जिसे आप क्रेतागण ने उपरोक्त सम्पत्ति को देखा तथा उपरोक्त सम्पत्ति को मो० 1,00,000/- एक लाख रूपैया में क्रय करने की इच्छा बिक्रीदार पर प्रगट किया यह कीमत आज कल के बजार दर का सर्वोच्च मूल्य समझा गया और दुमका उपायुक्त महोदय के द्वारा निर्धारित मूल्यांकन के अधार में भी सम्पत्ति का किमत सही है। इस लिये आज लेख्यकारी मन वो शरीर से स्वस्थ, स्वच्छन्द मस्तिष्क की दशा में होकर वो रहकर अपने पूर्ण होशो-हवास में क्रेतागण महोदय से तय मूल्य मो० 1,00,000/- एक लाख रूपैया मात्र एक मुस्त लेकर वो प्राप्त कर खाना नम्बर 5 की वर्णित सम्पत्ति को क्रेतागण के हाथ बेचा वो बेला कलामी किया और उपरोक्त सम्पत्ति पर

500Rs.

FIVE HUNDRED RUPEES

क्रेतागण को ठीक अपना तुल्य अधिकार करा दिया यानी सब दिन के लिये बिक्री कर दिया।

उपरोक्त सम्पत्ति हर तरह के ऋण भार से मुक्त है फिर भी निकट भविष्य में उपरोक्त सम्पत्ति पर किसी तरह का प्राचीन या हाल ऋण भार पाया जाय जिससे क्रेतागण को उपरोक्त सम्पत्ति से या इसके किसी अंश से बेदखल होना पड़े, ऐसी हालत में मैं बिक्रेता मय वारिसान, करने वापस कुल जरसमण केवाला, मय खरचा, हरजाना वो सूद बनिर्ख बाजार के हैं, होंगे वो रहेंगे। आज तक उपरोक्त सम्पत्ति पर मेरा जो कुछ स्वत्व वो स्वामित्व था अथवा जो कुछ भविष्य में प्राप्त होता वो कुल आज की तारीख से आप क्रेतागण को प्राप्त हो गया।

अब आप क्रेतागण उपरोक्त सम्पत्ति को लेकर सरकारी सिरीस्ते में प्रचलित नाम कटवाकर खुद का नाम दर्ज करा लेवें वो साल ब साल सिरीस्ते में खजाना अपने नाम से देकर वसूली का रसीद प्राप्त किया करें वो वारिसानुक्रमेण उपरोक्त सम्पत्ति का भोग दखल, दान बिक्रय वो हस्तांतर अपनी इच्छानुसार जो चाहें करें, इसमें मैं बिक्रेता मय वारिसान को किसी तरह की उजुर आपत्ति नहीं होगी। अगर कोई आपत्ति करे या करें तो वो कुल आपत्ति न्यायालय में अमान्य वो वातिल होगी।

(6)

यह सब एकरार कर देकर यह बिक्रय पत्र ब-हक डा0 अजय कुमार सिंह वो श्रीमती विभा सिंह को तहरीर वो तामिल कर दिया जो समय पर काम आवें। इति आज तारीख :- 26.04.2005 ई0।

यह सम्पत्ति आवासीय है तथा मुख्य सड़क से 100 फीट की दूरी से बाहर है।

इस दस्तावेज की प्रथम प्रति एवं द्वितीयक प्रति एक-दूसरे की हु-ब-हू सच्ची प्रतिलिपि है।

कम्प्यूटर द्वारा टंकित किया

(अनिल कुमार देवांशु)

LAND OF PURCHASED BY DR. AJAY KUMAR SINGH S/O LATE OM PRAK
& SMT BIBHA SINGH W/O SRI DR. AJAY KUMAR SINGH OF TETIA
BAMBER. P.S SANGRAMPUR DIST. MUNGER, BIHAR. VENDER
BY: SRI BIDYA MOHAN GORAIN S/O LATE RADHA NATH GORAIN
AT RASIKPUR P.S DUMKA TOWN DIST DUMKA. PURCHASED LAND
MOUZA RASIKPUR No 2 P.S DUMKA TOWN DIST DUMKA BASURI J.L
No. 121 PART PLOT No 1305 AREA:- B. K. DH
0-2-12

PURCHASED LAND IN SOWEN IN RED COULOR

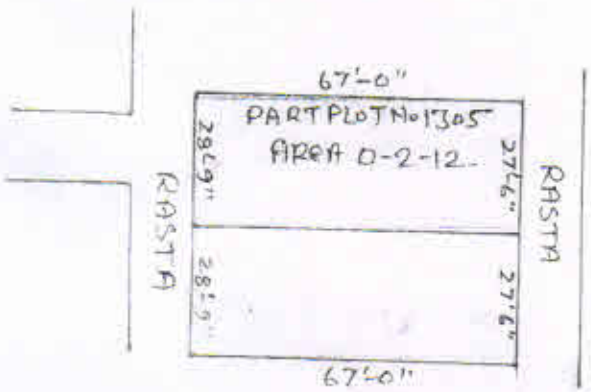

BOUNDARY:-

NORTH:- LAND OF KALAWATI DEVI

SOUTH:- PART PLOT 1305

EAST:- RASTA

WEST:- RASTA

Bidya Mohan Gorain
26.4.05

the map at plan Duplicate of the original and true cope of map